Semester VI

MJC – 10

International Economics

Hecksher Ohlins Theory

of International Trade

Study section 10.5 of the material provided in the following links

https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/57818/1/Unit10.pdf

हेक्शर -ओहलिन (एचओ) सिद्धांत, या कारक-अनुपात सिद्धांत, यह मानता है कि देश उन वस्तुओं का निर्यात करते हैं जिनके लिए उत्पादन के कारकों (पूंजी या श्रम) की आवश्यकता होती है जो स्थानीय रूप से प्रचुर मात्रा में और सस्ते होते हैं, जबकि उन वस्तुओं का आयात करते हैं जिनके लिए दुर्लभ कारकों की आवश्यकता होती है। एली हेक्शर और बर्टिल ओहलिन द्वारा विकसित यह सिद्धांत बताता है कि व्यापार के पैटर्न केवल तकनीकी अंतरों से नहीं, बल्कि कारकों की भिन्न उपलब्धता से उत्पन्न होते हैं।

एचओ सिद्धांत की प्रमुख अवधारणाएँ

कारक प्रचुरता: देशों के पास संसाधनों (श्रम बनाम पूंजी) की भिन्न, निश्चित और सापेक्ष मात्रा होती है।

कारक सघनता: वस्तुओं में उत्पादन कारकों के उपयोग की सघनता भिन्न होती है (उदाहरण के लिए, इस्पात पूंजी-प्रधान है, वस्त्र श्रम-प्रधान हैं)।

मुख्य प्रमेय: पूंजी से समृद्ध राष्ट्र पूंजी-प्रधान वस्तुओं का निर्यात करेगा, जबकि श्रम से समृद्ध राष्ट्र श्रम-प्रधान वस्तुओं का निर्यात करेगा।

कारक मूल्य समतुल्यता: विशिष्ट मान्यताओं के तहत, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व्यापारिक साझेदारों के बीच कारक मूल्यों (मजदूरी और पूंजी पर प्रतिफल) को समतुल्य करने की प्रवृत्ति रखता है।

मान्यताएं

2x2x2 मॉडल: यह मूल मॉडल दो देशों, दो वस्तुओं और दो कारकों (श्रम और पूंजी) को मानता है।

गतिशीलता: कारक एक देश के भीतर पूरी तरह से गतिशील होते हैं लेकिन देशों के बीच अचल होते हैं।

प्रतिस्पर्धा और प्रौद्योगिकी: सभी बाजारों में पूर्ण प्रतिस्पर्धा मौजूद है, और प्रौद्योगिकी (उत्पादन कार्य) सभी देशों में समान हैं।

व्यापार: मुक्त व्यापार मौजूद है जिसमें परिवहन लागत या बाधाएं नहीं हैं।

सीमाएँ और आलोचनाएँ

लियोन्टिफ विरोधाभास: लियोन्टिफ द्वारा अमेरिका पर किए गए अध्ययन जैसे अनुभवजन्य परीक्षणों से पता चला कि कुछ पूंजी-समृद्ध देश श्रम-प्रधान वस्तुओं का निर्यात करते हैं, जो इस सिद्धांत के विपरीत है।

अवास्तविक मान्यताएँ: यह मॉडल एक समान तकनीक और परिवहन लागत की अनुपस्थिति को मानता है, जो वास्तविकता में सही नहीं है।

मांग की अनदेखी: यह सिद्धांत आपूर्ति (संसाधनों) पर अत्यधिक जोर देता है और उपभोक्ता मांग के पैटर्न की उपेक्षा करता है।

- **Other Useful Links**
- **https://www.economicsdiscussion.net/the-heckscher-ohlin-theory/the-heckscher-ohlin-theory-with-criticisms-international-economics/30795#**

Home Work

Explain the Heckscher -Ohlins Theory of International Trade with the help of suitable diagrams.